A.C. : 10.05.2025
Appendix-25

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
MA Hindi 1st Year
I Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	2-3
2	DSC2	हिंदी कविता (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4-6
3	DSC3	भारतीय काव्यशास्त्र	7-8
4	Pool of DSE (Any Two)	भाषा, समाज और अस्मिता	9-10
		भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा तथा भारतीय भाषाओं का रंगमंच	11-12
		आधुनिकता की यात्रा	13-14
		हिंदी साहित्य में भारतबोध	15-16
		संचार माध्यम : अवधारणा एवं स्वरूप	17-18
		मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप	19-20
		स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य	21-22
		भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	23-24
5	Pool of SEC (Any One)	सृजनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति कौशल	25-26
		अनुवाद कौशल	27-28

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – DSC1
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराना।
2. इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं साहित्येतिहास दर्शन से परिचय करवाना।
3. विभिन्न कालखंडों का साहित्यिक ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी साहित्येतिहास से परिचित हो सकेंगे।
2. विभिन्न कालखंडों के परिवेश एवं प्रवृत्ति को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को विभिन्न काव्यधाराओं की जानकारी हो सकेगी।

इकाई – 1 : साहित्य इतिहास लेखन **(9 घंटे)**

- साहित्येतिहास एवं साहित्येतिहास दर्शन
- हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्येतिहास : काल-विभाजन एवं नामकरण
- साहित्येतिहास का पुनर्लेखन

इकाई – 2 : आदिकाल **(12 घंटे)**

- काल-विभाजन एवं नामकरण की समस्या
- आदिकालीन साहित्य : पृष्ठभूमि, परिवेश एवं प्रवृत्तियां
- आदिकालीन साहित्य : सिद्ध-नाथ, जैन एवं रासो साहित्य
- रचनाकार : चंदबरदाई, नरपति नाल्ह, अद्दहमाण, विद्यापति

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : भक्तिकाल **(12 घंटे)**

- भक्तिकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं तत्कालीन मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां
- भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भक्ति की काव्यधाराएं : निर्गुण एवं सगुण
- रचनाकार : कबीर, रैदास, दादू, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास, मीरा, ताज बीबी, रसखान

इकाई – 4 : रीतिकाल **(12 घंटे)**

- काल-विभाजन एवं नामकरण की समस्या
- रीतिकालीन साहित्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां एवं शास्त्रीय आधार
- रीतिकालीन साहित्य : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त
- रचनाकार : केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, भूषण, गिरिधर कविराय

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. डॉ. नगेंद्र; रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

5. डॉ. नगेंद्र / डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

6. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

7. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद, पटना।

8. वर्मा, रामकुमार; हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

9. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1 एवं 2) वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

11. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

12. राय, अनिल; आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर I – DSC2

हिंदी कविता (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC2 हिंदी कविता (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी कविता की परंपरा से परिचित करवाना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के आरंभिक तीन कालखंडों की काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
3. आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी प्रमुख कृतियों का ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी हिंदी कविता की परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के आरंभिक तीन कालखंडों की काव्य प्रवृत्तियों को समझने में समर्थ होंगे।
3. आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी प्रमुख कृतियों का ज्ञान होगा।

इकाई – 1 : आदिकाल से रीतिकाल तक : परिचय **(9 घंटे)**

- हिंदी कविता की विकास यात्रा : आदिकाल से रीतिकाल तक
- आदिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां
- भक्तिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां
- रीतिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां

इकाई – 2 : आदिकालीन हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- **दोहा कोश (सरहपाद) :** महापंडित राहुल सांकृत्यायन (संपादक), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
  ब्राह्मण – दोहा संख्या 1, 2; **चित्त** – दोहा संख्या 24, 25; **सहज, महासुख** – दोहा संख्या 43, 44; **परमपद** – दोहा संख्या 49; **देह ही तीर्थ** – दोहा संख्या 96, 97
- **कयमास वध (पृथ्वीराज रासो) :** माता प्रसाद गुप्त (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
  छंद संख्या – 2, 5, 6, 7, 9, 10, 11, 12, 41, 43
- **गोरखबानी :** डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल (संपादक), आर्यवर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली।
  सबदी संख्या – 1, 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 16, 19

हिंदी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

- **विद्यापति की पदावली :** आचार्य श्रीरामलोचनशरण (संपादक), श्री रामवृक्ष बेनीपुरी (संकलियता), पुस्तक भंडार, पटना।

  पद संख्या – 1, 2, 3, 4, 5

इकाई – 3 : भक्तिकालीन हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- **कबीरदास :** आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

  पद संख्या – 5, 22, 35, 42, 43; साखी – 199, 200, 201

- **मलिक मुहम्मद जायसी :** श्री वासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

  नागमती वियोग खंड – 341 से 350 तक

- **तुलसीदास :** रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर।

  अयोध्याकांड – दोहा संख्या 1 से 10 तक (चौपाईयों सहित)

- **सूरदास :** सूरसागर सार, डॉ. धीरेंद्र वर्मा (संपादक), साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज।

  विनय और भक्ति के पद – 1, 2, 3, 9, 12, 14, 16, 18, 23, 25

इकाई – 4 : रीतिकालीन हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- **भूषण :** भूषण ग्रंथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रधान संपादक), साहित्य सेवक कार्यालय, काशी।

  शिवाबवानी : छंद संख्या : 1 से 15 तक।

- **देव :** रीतिकाव्य-संग्रह, डॉ. जगदीश गुप्त, साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज।

  पद संख्या – 5, 9, 14, 33, 43

- **घनानंद :** घनानंद ग्रंथावली, ।

  घननांद कवित्त : मूल ग्रंथ से – 1 से 15 (कवित्त एवं सवैया)

- **बिहारी :** बिहारी रत्नाकर, श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर', जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

  दोहा संख्या – 1, 4, 8, 10, 11, 12, 15, 22, 27, 28, 34, 35, 37, 38, 41, 43, 85, 131, 171, 217 (कुल 20)

सहायक ग्रंथ :

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शुक्ल, रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, सुधा; हिंदी इतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, हंस प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. पांडेय, मैनेजर; भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, बच्चन; बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, उदयभानु; तुलसी-काव्य-मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. डॉ. नगेंद्र; रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. राय, अनिल; भक्ति संवेदना और मानव मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर I – DSC3

भारतीय काव्यशास्त्र

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC3 भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा को समझाना।
2. प्रमुख काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का अध्ययन कराना।
3. प्रमुख आचार्यों और उनके योगदानों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. साहित्य, भाषा और काव्य में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों हेतु उपयोगी होगा।
2. भारतीय साहित्य की परंपरा और सौंदर्यबोध को आधुनिक दृष्टिकोण से समझने में सहायक होगा।
3. काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का प्रयोग कविता एवं साहित्य रचने हेतु प्रेरित करने में सहायक होगा।

इकाई – 1 : काव्य का स्वरूप **(9 घंटे)**

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन
- काव्य के भेद

इकाई – 2 : रस एवं अलंकार सिद्धांत **(12 घंटे)**

- रस का स्वरूप, अवयव एवं भेद
- रस निष्पत्ति का सिद्धांत एवं साधारणीकरण
- अलंकार सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं
- अलंकार के भेद एवं उपभेद

हिन्दी विभाग
दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : रीति एवं वक्रोक्ति सिद्धांत (12 घंटे)

- रीति सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं
- रीति के भेद-उपभेद, काव्य गुण एवं काव्यदोष
- वक्रोक्ति सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं
- वक्रोक्ति सिद्धांत के भेद-उपभेद

इकाई – 4 : ध्वनि एवं औचित्य सिद्धांत (12 घंटे)

- ध्वनि सिद्धांत और उसकी मान्यताएं
- ध्वनि के भेद-उपभेद
- शब्द शक्ति : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
- औचित्य सिद्धांत और उसकी मान्यताएं

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; रस मीमांसा, पुस्तक प्रतिष्ठान, दिल्ली।
2. चौधरी, सत्यदेव; भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन।
3. नगेंद्र, डॉ.; रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
4. नगेंद्र, डॉ.; रस सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
5. वर्मा, हरिश्चंद्र; भारतीय काव्यशास्त्र, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।
6. मिश्र, भगीरथ; हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, हिंदी प्रकाशन लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
7. त्रिपाठी, राममूर्ति; भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
भाषा, समाज और अस्मिता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE1 भाषा, समाज और अस्मिता	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. भाषा और अस्मिता की आधारभूत समझ विकसित करना।
2. भाषा और समाज के अंतर्संबंधों से परिचय कराना।
3. भाषा संप्रेषण की प्रक्रिया से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भाषा संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
2. भाषा और अस्मिता की प्रमुख संकल्पनाओं से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. भाषा, समाज और संप्रेषण के मध्य अंतर्संबंधों का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई – 1 : भाषा और अस्मिता निर्माण की प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- भाषा और वर्ग
- भाषा और जेंडर, स्त्री भाषा
- भाषा और स्थानीयता
- भाषा और संस्कृति

इकाई – 2 : भाषिक समुदाय और संप्रेषण प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- भाषिक समुदाय की अवधारणा
- भाषिक समुदाय और संप्रेषण की विशिष्टता
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- भाषिक समुदाय और संस्कृति के निर्माण में संप्रेषण की भूमिका

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : भाषा और संपर्क **(12 घंटे)**

- भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार
- कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन
- पिजिन और क्रियोल
- द्विभाषिकता और बहुभाषिकता

इकाई – 4 : भाषा और सामाजिक संदर्भ **(9 घंटे)**

- संबोधन-शब्दावली
- रिश्ते-नाते की शब्दावली
- सोशल मीडिया की शब्दावली (मीम्स, इमोजी और संक्षिप्तियां)
- भाषा अनुरक्षण और विस्थापन

सहायक ग्रंथ :

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; भाषाई अस्मिता और हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. मुकुल, प्रो. मंजु; संप्रेषण चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. तिवारी, भोलानाथ; भाषाविज्ञान,किताब महल प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
7. शर्मा, राजमणि; आधुनिक भाषाविज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. फील्ड, ब्लूम (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद); भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
9. तिवारी, उदय नारायण; भाषाशास्त्र की रूपरेखा, भारती भंडार लीडर प्रेस, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा तथा भारतीय भाषाओं का रंगमंच

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE1 भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा तथा भारतीय भाषाओं का रंगमंच	**4**	**3**	**1**	**—**	**स्नातक उत्तीर्ण**	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. भारतीय नाट्य चिंतन की परंपरा की समझ विकसित करना।
2. भारतीय भाषाओं के नाटकों द्वारा भारतीय सांस्कृतिक चेतना की पहचान करवाना।
3. भारतीय भाषाओं में लिखित नाटकों द्वारा वैविध्य में निहित भारतीयता की एकरूपता का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. नाट्य लेखन तथा रंगकर्म में प्रादेशिक पारस्परिक आदान-प्रदान संबंधी समझ विकसित होगी।
3. भारतीय संस्कृति की विराटता का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई – 1 : भरतमुनि का नाट्य चिंतन **(9 घंटे)**

- रंगमच की अवधारणा
- अभिनेयता – नायक-नायिका एवं अन्य पात्र
- सहृदय की अवधारणा
- नाट्य संदर्भ में रस-सूत्र की व्याख्या

इकाई – 2 : शाकुंतल – महाकवि कालिदास **(12 घंटे)**

(संस्कृत से हिंदी रूपांतरण – मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई – 3 : संध्या छाया – जयवंत दलवी **(12 घंटे)**

(मराठी से हिंदी अनुवाद – कुसुम कुमार, लिपि प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई – 4 : कालिय दमन नाट – श्रीमंत शंकरदेव **(12 घंटे)**

(जगदीशचंद्र माथुर, डॉ. दशरथ ओझा (संपादक), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)

सहायक ग्रंथ :

1. अग्रवाल, प्रतिभा (संपादक); भारतीय रंगकोश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, नयी दिल्ली।
3. अल्काजी, इब्राहिम; आज के रंग नाटक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
4. आनंद, महेश; रंग दस्तावेज : सौ साल (भाग 1 एवं 2), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. अवस्थी, सुरेश; हे सामाजिक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
7. तनेजा, जयदेव; नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
8. अग्रवाल, कुंवरजी; आधुनिक नाटक का अन्वेषण कुछ पश्चिमी दस्तावेज, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
आधुनिकता की यात्रा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE1 आधुनिकता की यात्रा	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास और अवधारणाओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. विभिन्न रचनाकारों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान देना।
3. आधुनिकता संबंधित विभिन्न अवधारणाओं से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान होगा।
2. प्रमुख रचनाकारों और उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी।
3. आधुनिकता संबंधित विभिन्न अवधारणाओं से परिचय होगा।

इकाई – 1 : आधुनिकता एवं पुनर्जागरण **(9 घंटे)**

- आधुनिक चिंतन और आधुनिकता बोध
- पुनर्जागरण और नवजागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण, नवजागरण और आधुनिकता के अंतर्संबंध
- **निर्धारित पाठ :** परीक्षा गुरु – लाला श्रीनिवास दास

इकाई – 2 : रंगभूमि – प्रेमचंद **(12 घंटे)**

- औद्योगिक क्रांति
- पूंजीवाद का विकास
- लोकतंत्र का विकास
- सत्याग्रह की अवधारणा
- **निर्धारित पाठ :** रंगभूमि – प्रेमचंद

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : नदी के द्वीप – अज्ञेय **(12 घंटे)**

- आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का विकास
- नगरीकरण
- समाज और व्यक्ति
- आधुनिकीकरण और आधुनिकतावाद
- **निर्धारित पाठ :** नदी के द्वीप – अज्ञेय

इकाई – 4 : मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु **(12 घंटे)**

- मोहभंग का दौर
- सांस्कृतिक पूंजी
- सांस्कृतिक संस्थान
- सांस्कृतिक उत्पाद के रूप में कला
- **निर्धारित पाठ :** मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथ :

1. The subject of Modernity, Anthony J. Casscardi
2. The Constitution of Society, Anthony Giddens
3. The Consequences of Modernity, Anthony Giddens
4. The Class Struggle Urban Contradictions, M. Castells
5. The City & Grassroots, M. Castelles.
6. मेघ, रमेश कुंतल; आधुनिकता और आधुनिकीकरण
7. पचौरी, सुधीश; नयी साहित्यिक सांस्कृतिक सिद्धांतिकियाँ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
हिंदी साहित्य में भारतबोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE1 हिंदी साहित्य में भारतबोध	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित करवाना।
2. भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित करना।
3. हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित कर सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतबोध की संकल्पना **(12 घंटे)**

- भारतीय दृष्टि से भारत का अनुशीलन : प्राच्यवाद, भारतविद्या, भारतबोध
- भारतीय समाज एवं संस्कृति
- भारतीय जीवन-दृष्टि, भारत का लोक और लोकप्रज्ञा
- वि-उपनिवेशीकृत भारतीय चित्त / मानस

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य और भारतबोध **(12 घंटे)**

- वैदिक वांग्मय, पुराण एवं उपनिषद्, संगम साहित्य, बौद्ध एवं जैन साहित्य : संक्षिप्त परिचय
- भारतीय भक्ति काव्य : सामान्य परिचय
- भारतीय पुनर्जागरण / नवजागरण एवं भारतीय साहित्य
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं भारतीय साहित्य

हिन्दी विभाग दिल्ली दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 1 (पाठ आधारित कविताएं) (9 घंटे)

- राम-भरत संवाद – अयोध्या कांड, रामचरितमानस (तुलसीदास)
- यशोधरा खंड (1 से 8) – यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त)
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- कालीदास सच सच बतलाना – नागार्जुन
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)
- साम्राज्ञी का नैवेद्य-दान – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 2 (पाठ आधारित गद्य) (12 घंटे)

- हिंदी नवजागरण : भारत दुर्दशा (नाटक) – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन : यह मेरी मातृभूमि है (कहानी) – प्रेमचंद
- आधुनिक भारत का निर्माण : परती परिकथा (प्रारंभिक 50 पृष्ठ) – फणीश्वरनाथ रेणु
- वि-उपनिवेशिकरण की प्रक्रिया : तुलसी के हिय हेरि (निबंध) – विष्णुकांत शास्त्री

सहायक ग्रंथ :

1. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. वर्मा, महादेवी; भारतीय संस्कृति के स्वर, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली।
4. उपाध्याय, भगवतशरण; भारत की संस्कृति की कहानी, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; मध्यकालीन धर्म साधना, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, डॉ. मालती; वैदिक संहिताओं मे नारी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
7. दीपक, जे. साई; इंडिया अर्थात भारत : उपनिवेशिकता, सभ्यता, संविधान, ब्लूमसबरी इंडिया।
8. कुमार, चंदन; संत-भक्त परंपरा का भारतबोध, विश्वभारती पत्रिका, जुलाई-सितंबर 2024 अंक, पृष्ठ 9-17
9. Coomaraswamy, Ananda K; Introduction to Indian Art, Munshiram Manohar Lal Publishers.

हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर I – Pool of DSE

संचार माध्यम : अवधारणा एवं स्वरूप

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE2 संचार माध्यम : अवधारणा एवं स्वरूप	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. संचार के विभिन्न माध्यमों के बारे में समझ प्रदान करना।
2. संचार के विभिन्न रूपों; प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, डिजिटल मीडिया आदि के बारे जानकारी देना।
3. तकनीकों के माध्यम से समाज में सूचना का आदान-प्रदान कैसे होता है, यह जानना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी संचार माध्यमों के समाज, राजनीति, संस्कृति आदि पर पड़े प्रभावों को जान सकेंगे।
2. संचार के विभिन्न रूपों (मौखिक, लिखित, डिजिटल) और उनके कार्यक्षेत्रों की समझ विकसित होगी।
3. नए तरह के डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की कार्यप्रणाली और उनके प्रभावों की समझ बनेगी।

इकाई – 1 : जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा **(9 घंटे)**

- अर्थ, प्रकार और क्षेत्र
- जनसंचार की अवधारणा : विभिन्न सैद्धांतिकियों के आधार पर
- जनसंचार की प्रक्रिया (प्रेषक, संदेश, चैनल, प्राप्तकर्ता, फीडबैक)
- सरकारी एवं निजी माध्यम आधारित जनसंचार और जनसंचार का महत्व

इकाई – 2 : जनसंचार के मॉडल : सिद्धांत और सिद्धांतकार **(12 घंटे)**

- विल्बर श्राम, शैननवीवर, लिनीयर और इंटरऐक्टिव
- न्यूकॉम्ब, गेट किपर, हाएपोडर्मिक निडल थ्योरी और प्रोपेगैंडा थियोरी
- मार्शल मैक्लुहान, एस. हॉल, रेमंड बिलियम्स

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : जनसंचार के पारंपरिक माध्यम **(12 घंटे)**

- पारंपरिक माध्यम : लोक कला, लोक नृत्य, चौपाल
- आधुनिक जनसंचार माध्यम के रूप में प्रेस
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी की विविध प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं : उदंड मार्तंड, उचित वक्ता, कविवचन सुधा, सरस्वती, प्रताप, मतवाला।
- स्वतंत्रता के बाद हिंदी की विविध प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं : धर्मयुग, हंस, पहल, कथादेश, साप्ताहिक हिंदुस्तान, जनसत्ता, दैनिक जागरण, हिंदुस्तान।

इकाई – 4 : जनसंचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम **(12 घंटे)**

- रेडियो : जनसंचार के माध्यम के रूप में रेडियो की भूमिका, इतिहास एवं विकास
- टेलीविजन : जनसंचार के माध्यम के रूप में टेलीविजन की भूमिका, इतिहास एवं विकास
- सिनेमा : विश्व सिनेमा एवं हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त परिचय, जनमाध्यम के रूप में सिनेमा का महत्व, कुछ प्रतिनिधि हिंदी सिनेमा – अछूत कन्या, मदर इंडिया, तीसरी कसम, शोले
- सोशल मीडिया : जनसंचार के माध्यम के रूप में सोशल मीडिया की भूमिका, इतिहास एवं विकास

सहायक ग्रंथ :

1. मंडल, दिलीप; मीडिया का अंडरवर्ल्ड
2. सिंह, सुधा; जनमाध्यम सैद्धांतिकी
3. राजगढ़िया, विष्णु; जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग
4. सिंह, अजय कुमार; इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता
5. अनुराधा, आर.; न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियां और संभावनाएं
6. विलियम्स, रेमंड; संचार माध्यमों का वर्ग-चरित्र
7. जोशी, पी. सी.; संस्कृति विकास और संचार क्रांति
8. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता
9. रोबिन्स, जेफ्री; भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर I – Pool of DSE

मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE2 मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. मध्यकालीन परिवेश एवं परिस्थितियों का अध्ययन कराना।
2. मध्यकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्ति और पृष्ठभूमि का ज्ञान कराना।
3. मध्यकालीन बोध के स्वरूप की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को मध्यकालीन अवधारणा एवं स्वरूप का सम्यक बोध हो सकेगा।
2. मध्यकालीन साहित्य की पूर्वपीठिका की समझ विकसित होगी।
3. मध्यकालीन काव्य-भाषा एवं शिल्प से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : मध्यकाल : अवधारणा और सीमाएं (12 घंटे)

- मध्यकाल का काल सीमांकन एवं नामकरण
- मध्यकालीन बोध : समाज और संस्कृति
- भक्ति, भक्ति-चेतना एवं भक्ति-आंदोलन
- मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति : लोकाश्रय एवं राज्याश्रय

इकाई – 2 : मध्यकालीन साहित्य की पूर्वपीठिका (12 घंटे)

- निर्गुण भक्ति-दर्शन : ज्ञान एवं प्रेम
- सगुण भक्ति दर्शन : लोकरक्षण एवं लोकरंजन
- काव्यशास्त्रीय परंपरा एवं रीतिकाव्य
- रीतिकाव्य में भारतबोध : वीर एवं नीति

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : मध्यकालीन हिंदी काव्य : शास्त्रीय पक्ष **(12 घंटे)**

- रस
- छंद
- अलंकार
- ध्वनि, गेयता, संगीत तत्व

इकाई – 4 : मध्यकालीन काव्य-रूप एवं शिल्प **(9 घंटे)**

- मध्यकालीन हिंदी साहित्य का काव्य-शिल्प
- मध्यकालीन काव्य भाषाएं : ब्रज, अवधी, ब्रजबुली
- मध्यकालीन काव्य-रूप : प्रबंध, मुक्तक, प्रगीत

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; मध्यकालीन बोध का स्वरूप
3. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन
4. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास
5. पांडेय, मैनेजर; भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य
6. सिंह, गोपेश्वर (संपादक); भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार
7. नगेंद्र, डॉ.; रीतिकाव्य की भूमिका
8. दमोदरण, के.; भारतीय चिंतन परंपरा
9. राय, अनिल; भक्ति संवेदना और मानव-मूल्य

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE2 स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य के योगदान से अवगत कराना।
3. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे।
2. स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित साहित्यिक रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
3. स्वाधीनता आंदोलन से संबद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

इकाई – 1 : स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं विकास **(9 घंटे)**

- भारतीय राष्ट्रवाद का उदय
- स्वाधीनता आंदोलन के विविध चरण
- सामाजिक-धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलन

इकाई – 2 : स्वाधीनता आंदोलन एवं हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- स्वतंत्रता का दीपक : रामनरेश त्रिपाठी
- प्रबोधिनी : प्रताप नारायण मिश्र
- बंदी : जयशंकर प्रसाद
- मातृभूमि : मैथिलीशरण गुप्त
- वीरों का कैसा हो वसंत : सुभद्रा कुमारी चौहान
- शहीद स्तवन : रामधारी सिंह 'दिनकर'

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : स्वाधीनता आंदोलन एवं कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- कर्मभूमि : प्रेमचंद
- करवट (अध्याय12) : अमृतलाल नागर
- स्वतंत्रता की लड़ाई : कृष्णा सोबती
- आजादी का सपना : मोहन राकेश

इकाई – 4 : स्वाधीनता आंदोलन : हिंदी पत्रकारिता, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो? : भारतेंदु हरिश्चंद्र
- तुम्हारी स्मृति (संस्मरण) : माखनलाल चतुर्वेदी
- स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी पत्रिकाओं का योगदान (बालाबोधिनी, विशाल भारत, हिंदी प्रदीप)
- चंद्रगुप्त (नाटक) – जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. गुप्त, विद्यानाथ; हिंदी कविता में राष्ट्रीय भावना, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
2. टैगोर, रवींद्रनाथ; राष्ट्रवाद, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
3. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. राय, बाबू गुलाब; राष्ट्रीयता, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
5. सुंदरलाल; भारत में अंग्रेजी राज (प्रथम और द्वितीय खंड), प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
6. राय, आलोक; हिंदी राष्ट्रवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. डालमिया, वसुधा (लेखक) / कुमार, संजीव / दत्त, योगेंद्र (अनुवादक); हिंदू परंपराओं का राष्ट्रीयकरण, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of DSE
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of DSE2 भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की समग्र समझ विकसित करना।
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य के सहसंबंध को व्याख्यायित करना।
3. ज्ञान की भारतीय समझ, राष्ट्रीयता और मूल्यबोध से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व और गौरवबोध से अवगत होंगे।
2. भारतीय ज्ञान के साहित्यिक संदर्भों से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य में उपस्थित भारतीय ज्ञान के उत्स और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक होंगे।

इकाई – 1 : भारतीय ज्ञान की अवधारणा और परंपरा **(9 घंटे)**

- भारत : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप एवं भारतीयता का बोध
- भारतीय ज्ञान : अर्थ, स्वरूप और परंपरा
- परंपरा और आधुनिकता का अंतर्संबंध
- ज्ञान परंपरा, भारतीय मूल्य और ज्ञान की समाजकेंद्रीयता

इकाई – 2 : भारतीय ज्ञान : शास्त्रीय-साहित्यिक-दार्शनिक संबंध **(12 घंटे)**

- वाल्मीकि रामायण, महाभारत का परिचयात्मक अध्ययन
- कथा सरित्सागर और पंचतंत्र का परिचयात्मक अध्ययन
- भक्ति काव्यधारा का दार्शनिक संदर्भ
- भक्ति काव्य में अंतर्निहित भारतीय स्वत्व-बोध

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

इकाई – 3 : भारतीय ज्ञान, धर्म तथा मूल्यबोध एवं हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- रहीम : दोहा संख्या : 1-10 (रहीम ग्रंथावली, संपादक : विद्यानिवास मिश्र)
- मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती (अतीत खंड)
- महादेवी वर्मा : कह दे मां अब क्या देखूं
- कुंवर नारायण : अबकी बार लौटा तो

इकाई – 4 : आख्यान की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य **(12 घंटे)**

- प्रेमचंद : पंच परमेश्वर (कहानी)
- सुदर्शन : हार की जीत (कहानी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास)
- जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी (नाटक)

सहायक ग्रंथ :

1. हरि, वियोगी; हमारी परंपरा, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
2. अग्रवाल, वासुदेवशरण; पंचतंत्र
3. उपाध्याय, भगवतशरण; भारतीय संस्कृति की कहानी
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता
5. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन
6. शर्मा, रामविलास; भारतीय साहित्य की भूमिका
7. शर्मा, रामविलास; भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश
8. शर्मा, रामविलास; पश्चिमी एशिया और ऋग्वेद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of SEC
सृजनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति कौशल

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of GE1 सृजनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति कौशल	2	2	0	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. सृजनात्मकता और भाषायी कौशल से अवगत कराना।
2. सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता को विकसित करना।
3. विचारों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता विकसित होगी।
2. लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित होगी।
3. समाज, राष्ट्र और संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

इकाई – 1 : सृजनात्मकता के विविध आयाम **(12 घंटे)**

- सृजनात्मकता : अवधारणा एवं महत्व
- सृजनात्मकता के तत्व – संवेगात्मक बुद्धिमत्ता, कल्पना और स्मृति
- रचना प्रक्रिया – भावग्रहण, बोधन क्षमता और भाषिक दक्षता
- सृजनात्मकता – नवोन्मेष, नवीन सृजन और मौलिकता

इकाई – 2 : सृजनात्मक लेखन कौशल के विविध रूप **(12 घंटे)**

- सृजनात्मक लेखन के प्रकार
- पद्य लेखन – कविता, गीत और गीति – नाट्य
- गद्य लेखन – उपन्यास, कहानी, संस्मरण, व्यंग्य और निबंध
- दृश्य-श्रव्य लेखन – नाटक, एकांकी और पटकथा

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

सहायक ग्रंथ :

1. गौतम, रमेश; रचनात्मक लेखन, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जगूड़ी, लीलाधर; रचना-प्रक्रिया से जूझते हुए, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. पांडेय, मैनेजर; साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकूला, हरियाणा।
4. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; साहित्य का इतिहास दर्शन, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबुशन, दिल्ली अथवा ईबुक : नॉटनलडॉटकॉम।
5. डॉ. रघुवंश, साहित्य चिंतन रचनात्मक आयाम, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, बिहार।
6. श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद; हिंदी गद्य की नवीन विद्याएं, कानपुर साहित्य रत्नालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश।
7. अरोड़ा, हरीश; रचनात्मक लेखन, यश प्रकाशन, शाहदरा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर I – Pool of SEC

अनुवाद कौशल

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of GE1 अनुवाद कौशल	2	2	0	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. अनुवाद की आधारभूत समझ विकसित करना।
2. अनुवाद और भाषा के अंतर्संबंध से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. अनुवाद की बुनियादी समझ विकसित होगी।
2. अनुवाद के मूल सिद्धांतों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से अनुवाद के महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई – 1 : अनुवाद सिद्धांत **(12 घंटे)**

- अनुवाद की अवधारणा – स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा
- अनुवाद की प्रक्रिया – पाठ विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन
- मशीनी अनुवाद व अनुवाद के उपकरण
- भारतीय बहुभाषिकता और अनुवाद का महत्व

इकाई – 2 : अनुवाद कौशल के विविध रूप **(12 घंटे)**

- भाषिक अंतरण – अंग्रेजी-हिंदी, हिंदी-अंग्रेजी
- अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया
- तत्काल भाषांतरण की प्रविधि
- मीडिया अनुवाद – फिल्म अनुवाद (डबिंग और सबटाइटलिंग)

सहायक ग्रंथ :

1. नगेंद्र; अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. गोपीनाथन, जी; अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग,, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
3. कुमार, सुरेश; अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोस्वामी, प्रो. कृष्ण कुमार; अनुवाद विज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. मुकुल, प्रो. मंजु; मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी नवीन मॉडल, हंस प्रकाशन, दिल्ली।
6. Rainer, Nl; Echos of Translation: Reading between Texts, University Press Baltimore, USA.
7. Frishberg, NJ; Interpreting: An Introduction, Registry of Interpreters.
8. Poibeau, Thierry; Machine Translation, The MIT Press.

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

Pool of Generic Elective (GE)

(Offered by Department of Hindi for all PG Courses)

I Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	Pool of GE1 (Any One)	साहित्य और सिनेमा	2-3
		साहित्यिक पत्रकारिता	4-5
		विभाजन की विभीषिका और हिंदी साहित्य	6-7